International Journal of Engineering Research & Management Technology
ISSN: 2348-4039
ICRTSHE-September-2020/ Conf. Issue/ Article No-15/59-60
Email: editor@ijermt.org www.ijermt.org

मध्य प्रदेश राज्य के भोपाल जिले के आर्थिक विकास मे अगृणी बैंक (बैंक ऑफ इडीया)कि भूमिका का अध्ययन(कृषि उद्योग तथा सेवा व स्वरोजगार क्षेत्र में)

धीरज कुमार मन्दरे
शोधार्थी- वाणिज्य
शासकीय डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एव वाणिज्य महाविधालय (पुराना बेनजीर)
भोपाल (म. प्र.)

प्रस्तावना

स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक दो दशको में (सन1947 - 1967) भारतीय बैंकिग ने कार्यात्मक तथा भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रगति की लेकिन यह प्रगति संतोषजनक नही थी क्योकि समाज के कमजोर वर्ग के व्यक्ति तथा पिछड़े हुए क्षेत्रो को इसका पर्याप्त लाभ नही मिल पाया। देश में बैंकिंग शाखाओं का असंतुलित वितरण था लघु तथा कुटीर उद्योगों , कृषि , छोटे –छोटे व्यवसाय तथा सेवा क्षेत्र को बैंक वित्त उपलब्ध नही हो पाता था बैंक सेवाओ का लाभ शहरी क्षेत्रो को ही मिल रहा था ग्रामीण क्षेत्र की खास जरूरतों की कमी को पुरा करने के लिये क्या कदम उठाये जाने चाहीये ? इसके अध्यन हेतु अक्टूबर 1968 में प्रोफेसर गोडगील की अध्ययक्षता मे एक अध्ययन दल गठीत किया गया है। इस दल ने अक्टुबर 1969 मे अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

1969 के अतं मे शुरू हुई अग्रणी बैंक योजना मे प्रत्येक बैंक चाहे वह सार्वजनिक क्षेत्र की हो या निजी क्षेत्र दोनो को आवटित जिलो के लिये अग्रणी बैंक भूमिकाएं सोंपने का प्रावधान है। ग्रामिण क्षेत्रो मे बैंको की शाखाओं के अपेक्षाकृत बड़े नेटवर्क तथा पर्याप्त वित्तीय एंव मानव संसाधन वाले बैंक को सामान्यतं उस जिले का अग्रणी दायीत्व सौंपा जाता है। तदनुसार देश के सभी जिले विभीन्व बैंको को आवटित किये गये है। अग्रणी बैंक आंवटित जिलो मे कृ षि , लघु उद्योग तथा ग्रामीण अर्ध शहरी क्षेत्रो मे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रो मे शkमिल अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिये ऋण प्रवाह बढ़ाने हेतु सभी ऋणदाता संस्थाओं के प्रयासो के लिये समन्वय की भूमिक। निभाते है।

उद्देश्य-

1. बैंक ऑफ इण्डिया का मुख्य उद्देशय जिले के ग्रामीण क्षेत्रो मे बैंकिग सुविधोओ का विकास करना।
2. बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा विभिन्न बैंको के माध्यम से ऋण की सुविधा प्रदान करना ।
3. कृषि क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र तथा सेवा व स्वरोजगार क्षेत्र मे वित्तिय सहायत प्रदान करना।

परिकल्पना –

1. अग्रणी बैंक (बैंक ऑफ इण्डिया) द्वारा आर्थिक विकास के विभिन्न क्षेत्रो मे प्रदान किये जाने वाले ऋण के संबंध मे लक्षयों को पूर्ण किया है।
   अग्रणी बैंक योजना के अंतर्गत संबधित बैंक को यह निर्देश प्रदान किये गये थे कि वे अपने जिलो के लिये सर्वेक्षण प्रतिवेदन तैयार करे और शाखा विस्तार के लिये विकास केन्द्रो का चयन करे। यह पाया गया कि " अग्रणी बैंक योजना " लागू करने के बावजूद जरूरत मंद क्षेत्रो को समुचित ऋण सुविधा उपलब्ध नही हो पा रही है। अत : भारतीय रिर्जव बैंक ने अग्रणी बैंक योजना के मुल्यांकन हेतु एक कार्य दल गठित किया। इस कार्य दल ने महाराष्ट्र व गुजरात के मूल्यांकन कर यह निष्कर्ष निकाला कि अग्रणी बैंक योजना तभी

सफलता पूर्वक संचालित कि जा सकती हैं। जब जिले मे कार्यरत सभी बैंक अग्रणी बैंक को ऋण उपलब्ध कराने सहयोगी होगे।

अग्रणी बैंक (बैंक आफ इण्डिया) के भोपाल जिले मे लक्ष्य व उपलब्धीया

अग्रणी बैंक (बैंक आफ इण्डिया) द्वारा सरकारी योजनोओ के माध्यम से भोपाल जिले के आर्थिक विकास मे महत्वपुर्ण भुमीका निभाई हैं। तथा सहयोगी बैंको के माध्यम से अपने लक्ष्यों को अर्जित किया हैं. सहयोगी बैक के रूप मे कार्य़रत बैंक (Nationalized bank , sbi group , private banks, pre –co – op bank, agr & rur dev bank , the ratnakar bank. Ltd , Narmada malva gramin bank).

अग्रणी बैक (बैंक आफ इण्डिया) के निर्धारीत लक्ष्य एव उपलब्धीयां

परिकल्पना परिक्षण –अग्रणि बैक के साथ साथ सभी सहयोगी बैको के लक्ष्य व उपलब्धीया भी शामील है 2013-14 से लेकर 1017-18 तक अग्रणी बैंक द्वारा भोपाल जिले के आर्थिक विकास (कृषी क्षेत्र , उधोग क्षेत्र , सेवा व स्वरोजगार क्षेत्र) मे शत प्रतिशत अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है।

सन् 2013-14 से 2017-18 के आकड़े

कृषि क्षेत्र – 113 प्रतिशत से घटकर 74 प्रतिशत तक

लघु उघोग क्षेत्र – 70 प्रतिशत से बड़कर 130 प्रतिशत तक

सेवा व स्वरोजगार क्षेत्र - 119 प्रतिशत से बड़कर 130 प्रतिशत तक

इस प्रकार कहा जा सकता है। कि कृषी क्षेत्र पर कम तथा उघोग सेवा व रोजगार क्षेत्र पर अधिक बड़ोतरी देखने को मिली है। सरकार द्वारा चलाइ जा रही योजनाओ के माध्यम से कई व्यक्तियों को रोजगार व स्वयं उघम स्थापित करने मं आर्थीक सहायता मिलि है

उपसंहार

भारत का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र कृषी रहा है जिसमे किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुवीधायें प्रदान कर छोट S व सामान्य मजदूर को ऊपर उठाने का प्रयास किया , वही लघु उघोग के क्षेत्र मे मुख्यमत्री युव k उघम योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओ के उघम स्थापित करने कि सुविधाये प्रदान की गई। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र को वर्तमान मे सबसे तेज उभरते औघोगिक क्षेत्र के रुप से मान्यता प्राप्त हो गइ है। स्वरोजगार को बढ़ाने और बेरोजगारी को दुर करने के उद्दश्य से सरकार द्वारा प्रयोजित व अग्रणी बैंक द्वारा क्रियान्वीत विभीन्न योजनाओ के माध्यम से आर्थीक विकास मे सहायक सिद्ध हुई है।

सन्दर्भ ग्रंथ सुची

01. एस के मिश्र .भारतीय अर्थव्यवस्था हिमालय पब्लिशिंग हाउस दिल्ली 1999
02. अग्रणी बैंक योजना (बैंक आँफ इण्डिया)साख योजना जिला भोपाल म.प्र.
03. www.sbi.co.in